

# खेल साक्षरता प्रसार वाहन

भारत भ्रमण

तृतीय चरण - भोपाल से जपपुर



## स्पोर्ट्स : ए वे 3०५ लाईफ

तृतीय यात्रा प्रारम्भ : 4 अगस्त, 2021

स्थान: बंगरसिया, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश



मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से 'खेल साक्षरता प्रसार वाहन' को तीसरे चरण के लिए खेल उपकरण से रवाना करते हुए सैयद जलालुद्दीन रिज़वी अर्जुन अवॉर्डी साथ में अन्य हॉकी खिलाड़ी।



'खेल साक्षरता प्रसार वाहन' खेल उपकरण से रवाना करने आये सैयद जलालुद्दीन रिज़वी अर्जुन अवॉर्डी साथ में अन्य हॉकी खिलाड़ी।



तृतीया चरण में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से 'खेल साक्षरता प्रसार वाहन' को हॉकी खिलाड़ियों के द्वारा रवाना करते हुए साथ में संस्था के सदस्यगण।



तृतीया चरण में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से 'खेल साक्षरता प्रसार वाहन' को रवाना करते हुए।

# मीडिया कवरेज

## खेलों की अलग जगाने भारत भ्रमण को निकले डॉ. पांडे

झांसी, 06 अगस्त (तरुणमित्र)। एक तरह जब दुनिया ओलंपिक खेलों के रोमांच में डूबी हुई है उसी समय एक शख्स भारत में खेलों के प्रति जागरूकता और जन्मा जगाने को भारत भ्रमण पर निकला है। इसानी जिटिंगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है औ इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ़ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार बाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों जब देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। इर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना ही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ. कनिष्ठ पांडे भारत यात्रा पर निकले हुए हैं। डॉ. पांडे य स्पोर्ट्स वे औफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित

गाजियाबाद, लखनऊ, झांसी होते हुए भोपाल पहुंची यात्रा



खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने तरुण मित्र से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पर्याप्त फीसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि

लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। पांडे ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का

जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हमियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से झांसी होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंच चुकी है। खेल साक्षरता प्रसार बाहन में एक बड़ी एलसीडी लाई हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं। यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काबिले तरीफ है। यह काम इतना बड़ा है जो गाजियाबाद- लखनऊ से शुरू होकर झांसी होते हुए भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

# ओलंपिक खेलों को देश के गांवों में पहुंचा रहा 'खेल साक्षरता प्रसार' वाहन

**भोपाल@पत्रिका.** पूरा विश्व ओलंपिक खेलों के जश्न में डूबा है। वहीं 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' एनजीओ ओलंपिक से संबंधित खेलों को देश के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है। यह संस्था 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने खेल साक्षरता अभियान चला रही है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत ही हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाए बिना ओलंपिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कौड़ी जैसी है। खेल साक्षरता प्रसार



वाहन इस दिशा में एक पहल है। यह यह मप्र के सागर, विदिशा से होता हुआ भोपाल पहुंची। टीम ने कलेक्टर अविनाश लवानिया से भेंट कर प्रदेश सरकार को संबोधित एक ज्ञापन खेलों को बढ़ावा देने के सम्बन्ध में सौंपा। खेल साक्षरता प्रसार वाहन ने भोपाल के ग्रामीण इलाकों में भी जागरूकता की अलख जगाई। इस कड़ी में यह वाहन बंग रसिया पहुंचा।

## नईदुनिया

# Sports News: देश में पहली बार खेल साक्षरता प्रसार वाहन की भारत यात्रा भोपाल पहुंची



**Sports News:** भोपाल (नईदुनिया प्रतिनिधि)। पटा विटव ओलिंपिक के टीमांच में डूबा है, इसी बीच एक संस्था 'स्पोटर्स ए वे ऑफ लाईफ' के माध्यम से ओलम्पिक से सम्बन्धित खेलों को भारत के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है। बुधवार को देश में पहली बार खेल साक्षरता प्रसार वाहन की भारत यात्रा भोपाल पहुंची है।

इस संस्था ने 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिये खेल साक्षरता अभियान चला रही है। खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है। गाजियाबाद से शुरू होकर प्रदेश के सौंकड़ों गांवों, दर्जनों करवों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में किया था। इस यात्रा को देश के विख्यात पूर्व ओलम्पियन, अर्जुन पुरस्कार विजेता तथा द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में रवाना किया था।

लखनऊ पहुंचने पर उपर के उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश चन्द शर्मा ने "स्पोटर्स ए वे ऑफ लाईफ" के खेल साक्षरता प्रसार वाहन को दूसरे चरण में भोपाल के लिए रवाना किया था। बुधवार को यह वाहन सागर, विदिशा होते हुए भोपाल पहुंचा। भोपाल में संस्था की टीम कलेक्टर अविनाश लवानियां खेलों को बढ़ावा देने के जापन सम्बन्ध में सौंपा गया। अर्जुन अवार्डी ओलिंपियन सौयद जलालुद्दीन रिजवी ने इस वाहन का स्वागत किया। साथ ही क्षेत्र के बच्चों ने खेल साक्षरता को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से संस्था के अध्यक्ष डा. कनिष्ठ पाण्डेय से संवाद किया। श्री रिजवी ने कहा खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक एवं गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है। यह बहुत ही अच्छा भित्ति है, जिसके तहत जो किताबें वितरित की जा रही हैं। वाहन बंगरटिया पहुंचा। गांव में बच्चों, बनुओं तथा वृद्धों सभी ने खेल साक्षरता वाहन को लेकर काफी उत्साह देखा गया। इस गांव के बच्चों ने हाकी दिटेक दिखाकर इस वाहन को आगे के लिये रवाना किया।

स्टार समाचार

**खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर**

सुलभ सुलभाचार | शोधाल

अनेक इनामी विद्यालयों में स्थान नीचे जल्दी है परन्तु खेल क्षम्य है और इनमें ज्ञान आवश्यकता है इसके बजाए विद्यालय है। स्थान के अधिकारी अपने अपने लाभ लाने के लिए एक विद्यालय खींचना चाहता अनेक विद्यालय ज्ञान का विषय है।

इन दिनों ज्ञान और दुर्लभ अलैफिक संस्कृत के रूप में ही हुई है। इन चौड़े भवत के विश्वासियों ने जैन वीजयन का रखाये थे यह यानवश्रवा के लक्ष्मण में हमारे देश का प्राचीनिक्य लोकोपचारक वर्ती काला जा सकता है। एक वर्षीय धर्म देश में लोकोपचार का ना बदलनी ही है।



और उनके अलावा के जिसी के एक-एक नाम में भी जाएंगे इन वाक़ों के जिस लोगों की वाक़ बदल जाती है वे सेवों का नीति में फिरते



## जिला भोपाल (04 / 08 / 2021)



भोपाल के जिलाधिकारी अविनाश लवानिया को संस्था के सदस्य खेल ज्ञापन सौंपते हुए।



भोपाल जिले के बंगरसिया गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर भेंट करते हुए संस्था के सदस्य।



भोपाल जिले के बंगरसिया गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फिल्म देखते हुए।

# खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

IANS | Edited By : IANS | Updated on: 04 Aug 2021, 07:55:01 PM



भोपाल 4 अगस्त:

इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के टंग में रुँगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्ठ पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जटिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फर्सदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जड़ी ही है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जटिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से थुक हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जटिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन थुक किया है, वह काबिले तारीफ होयह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से थुक होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों और युवाओं ने हिल वाहन को देखकर उत्साह जाहिर किया।

# iam Bhopal

पीपुल्स समाचार [f](#) [i](#) [t](#) [w](#) [lambhpalofficial](#) [9582426011](#)



## स्पोर्ट्स अवेयरनेस के लिए डॉ. कनिष्ठ के शुरू की प्रचार यात्रा

संकेतकार **• iamBhopal**  
Mobile no. 9877189406

खेलों के लिए अत्यधिक जगती है, खेलियों वाले भासा नाम या इनका बहुत सेवक नियम है। वे 'स्पोर्ट्स अवेयरनेस' के नाम से जीतेंगे और खेलियों में खेलों को जननावाहन रूप देनेवाले को बहिर्भूत लगाएंगे। यहाँ खेलियों ने अपने अवेयरनेस और अद्युत यूस्फ़ाबद विशेषज्ञीय जलालुद्दीन नियमों में यात्रा किया है।



खेल विद्यालय में खेलों को जननावाहन रूप देनेवाले का इतिहास में यह बहुत बहाती है। खेलावाले यात्रा के दौरान खेलियों के बाबत जानकारी दी जाएगी।

# खेल साक्षरता प्रसार वाहन की भारत यात्रा भोपाल आई



साक्षरता प्रसार वाहन को देखते क्लेक्टर लवानिया (दाएं)। ● सौजन्य आयोजक

**भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)।** पूरा विश्व ओलिंपिक के रोमांच में डूबा है। इसी बीच एक संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे आफ लाइफ' के माध्यम से ओलिंपिक से संबंधित खेलों को भारत के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है। बुधवार को देश में पहली बार खेल साक्षरता प्रसार वाहन की भारत यात्रा भोपाल के बंगरसिया होते हुए बड़े तालाब पहुंची। संस्था 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिए खेल साक्षरता अभियान चला रही है। खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पांडेय हैं गाजियाबाद से शुरू होकर प्रदेश के सैकड़ों गांवों, कस्बों और कई जिलों में होते हुए प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में किया था। इस यात्रा को देश के विख्यात पूर्व ओलिंपियन,

अर्जुन पुरस्कार विजेता तथा द्वोषाचार्य पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में रवाना किया था। लखनऊ पहुंचने पर उप्रके उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश चन्द्र शर्मा ने खेल साक्षरता प्रसार वाहन को दूसरे चरण में भोपाल के लिए रखाना किया था। बुधवार को यह वाहन सागर, विदिशा होते हुए भोपाल पहुंची। भोपाल में संस्था की टीम ने कलेक्टर अविनाश लवानिया खेलों को बढ़ावा देने के ज्ञापन संबंध में सौंपा। इस यात्रा का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थापित खेल प्रतिष्ठानों को पुनर्जीवित करना और खेलों का प्रसार करना है। अर्जुन अवार्डी ओलिंपियन सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने इस वाहन का स्वागत किया। संस्था के साथ ओलिंपियन जपफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेंद्र झाझड़िया और अशोक ध्यानचंद जुड़े हुए हैं।

## खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर



ASE News Team | 04 August 2021 7:31 PM IST



**भोपाल 4 अगस्त (आईएएनएस)**। इंसामी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाक़िफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लैकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्ठ पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वै ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यहाँ कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही है। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काबिले तारीफ है। यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा जहाँ बच्चों से लेकर बुजु़गों और युवाओं ने हिल वाहन को देखकर उत्साह जाहिर किया।

## खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

By admin admin Wed, 4 Aug 2021



भोपाल 4 अगस्त (आईएएनएस)। इसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार याहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्ठ पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर वीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार याहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे वधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काविले तारीफ है। यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

# NEWS NATION

## खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

IANS | Edited By : IANS | Updated on: 04 Aug 2021, 07:55:01 PM



**भोपाल 4 अगस्त:** इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्ठ पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काबिले तारीफ है। यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों और युवाओं ने हिल वाहन को देखकर उत्साह जाहिर किया।

बदलते जमाने का अंडवार

# पीपुल्स समाचार

## स्पोर्ट्स अवेयरनेस के लिए डॉ. कनिष्ठ ने शुरू की प्रचार यात्रा

05 Aug 2021 01:58 AM



खेलों के प्रति भलख जगाने डॉ. कनिष्ठ पांडे भारत यात्रा पर प्रचार वाहन लेकर निकले हैं। वे 'स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ' के जरिए ओलिंपिक से संबंधित खेलों को गांव- गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। पूर्व ओलिंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा कि मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है। भोपाल में यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा।

# राष्ट्रीय पत्रिका

हिंदी समाचार पत्र

खबर | अपराध | देश | राज्य | दुनिया | व्यापर | खेल | ऑटो | मनोरंजन | रसोई से | लाइफ स्टाइल | वायरल |

## खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

IANS | Edited By : IANS | Updated on: 04 Aug 2021, 07:55:01 PM

(source : IANS) (Photo Credit: (source : IANS))

भोपाल 4 अगस्तः:

इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्ठ पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर वीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

## खेलों के प्रति अलख जगाने के लिए युवा निकला देश की यात्रा पट



**लाइव हिंदी खबर :-** डंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पट निकला है। इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के ठंग में ठंगी हुई है। हट कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पट गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता।

इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्ठ पांडेय भारत यात्रा पट निकले हुए हैं। डॉ पांडेय स्पोर्ट्स से ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसली है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढार्फी कीसी विधि में जरूरी है। ऐसी विधि में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी टाईंगों की टाजधानी तक पहुंचेगी और उसके आकाशपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है। गाजियाबाद से थुक्क हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की टाजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रमाण वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पट बीड़ियों के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पट पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता मैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन थुक्क किया है, वह काबिले तारीफ है। यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से थुक्क होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है। यह वाहन टाजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा जाऊ बच्चों से लेकर बुजुणों और युवाओं ने हिल वाहन को देखकर उत्साह जाहिर किया।



भारतीय राजनीति की दुनिया में सबसे सुंदर  
महिलाएं

Ad: Herbeauty



Top 12 Most Famous  
Women

Ad: Brainberries

# खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

By admin admin Wed, 4 Aug 2021



भोपाल 4 अगस्त (आईएएनएस)। इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्ठ पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।



स्तान के हेलमंद में 20 नागरिकों की  
> ने बालों में महिलाएं और बच्चे शामिल

हुंडई ने आगामी ईवी सेडान के लिए स्थानीय  
संयंत्र में उत्पादन फिर से किया शुरू

गोली लगने से 12 साल के नावालिंग  
लकवा

स्पोर्ट्स

## खेलों के प्रति अलख जगाने युवा निकला भारत यात्रा पर

भोपाल 4 अगस्त (आईएएनएस)। इंसानी जिंदगी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाकिफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत की कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी वजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्ठ पांडेय भारत यात्रा पर निकले हुए हैं।

डॉ पांडेय स्पोर्ट्स वे ऑफ लाइफ के जरिए ओलंपिक से संबंधित खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने आईएएनएस से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच फसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिर्फ ढाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

डॉ पांडेय ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-एक गांव में भी जाएगी, इस यात्रा के जरिए वे लोगों को यह बताना चाहते हैं कि खेलों का जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंची। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर वीडियो के जरिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों को दिखाई जा रही हैं।

इस यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काविले तारीफ है। यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

यह वाहन राजधानी के बंगरसिया गांव भी पहुंचा जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों और युवाओं ने हिल वाहन को देखकर उत्साह जाहिर किया।

# खेलों की अलग जगाने भारत भ्रमण को निकले डॉ. पांडे

झांसी, 06 अगस्त (तरुणमित्र)। एक तरह जब दुनिया ओलंपिक खेलों के रोमांच में दूरी है तभी समय एक शख्स भारत में खेलों के प्रति जागरूकता और जज्बा जगाने को भारत भ्रमण पर निकला है। इसानी जिदी में खेल भी जरूरी है मगर खेल क्या है और इनकी क्या अहमियत है इससे कम लोग वाक़िफ हैं। खेलों के प्रति अलख जगाने एक नौजवान खेल साक्षरता प्रचार वाहन लेकर भारत यात्रा पर निकला है।

इन दिनों जब देश और दुनिया ओलंपिक खेलों के रंग में रंगी हुई है। हर कोई भारत के खिलाड़ियों की जीत को कामना कर रहा है। देश के ओलंपिक में प्रदर्शन पर गौर करें तो उसे जनसंख्या के अनुपात में संरोपजनक नहीं कहा जा सकता, इसकी बड़ी बजह देश में स्पोर्ट्स कल्चर का न होना रही है। लोगों में खेलों के प्रति जागृति आए इसके लिए डॉ कनिष्ठ पांडे भारत यात्रा पर निकले हुए हैं। डॉ पांडे य स्पोर्ट्स वें और लाइक के जरिए अलंकित से संवाधित

गाजियाबाद, लखनऊ, झांसी होते हुए भोपाल पहुंची यात्रा



खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। वे अपनी भारत यात्रा के तहत भोपाल पहुंचे। उन्होंने तरुण मित्र से चर्चा करते हुए कहा कि भारत में स्पोर्ट्स कल्चर नहीं है, यही कारण है कि खेल साक्षरता महज पांच पहुंचेगी और महिलाओं के बीच तो यह सिफर छाई फीसदी ही। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि

लोगों को खेल साक्षर बनाया जाए तभी हम ओलंपिक में अपनी प्राभावशाली उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। पांडे ने बताया कि उनकी यह यात्रा देश के सभी राज्यों की राजधानी तक पहुंचेगी और उसके आसपास के जिलों के एक-फीसदी है और महिलाओं के बीच तो यह सिफर छाई फीसदी ही।

जीवन में कितना महत्व है। यह हमारे व्यक्तित्व विकास से लेकर बीमारियों से भी दूर रखने में कारगर हथियार है।

गाजियाबाद से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से झांसी होती हुई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंच चुकी है। खेल साक्षरता प्रसार वाहन में एक बड़ी एलसीडी लगी हुई है, जिस पर बीड़ियों के जारिए ओलंपिक खेलों से संबंधित फिल्में भी बच्चों के दिखाई जा रही हैं। यात्रा के भोपाल पहुंचने पर पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजबी ने कहा, मेरे इतने लंबे खेल जीवन में खेलों को जन-जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक और गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है, इसके लिए पांडे बधाई के पात्र हैं। इन्होंने पूरे भारत में स्पोर्ट्स की जानकारी देने का जो मिशन शुरू किया है, वह काबिले तरीक है। यह काम इतना बड़ा है जो गाजियाबाद- लखनऊ से शुरू होकर झांसी होते हुए भोपाल आया और यह आगे के लिए जा रहा है।

# Sports awareness caravan in city

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: 'Sports: A Way of Life' mission awareness team reached Bhopal on Friday. Founded by a Lucknow lad, Kanishka Pandey, the objective of the mission is to educate people on sports literacy.

The team in a van that was flagged off from Lucknow will be covering most Indian cities and the rural hamlets talking to people and making them aware about sports.

The activities have been undertaken to coincide with the Olympics, that has generated much interest among people about sports.

Arjuna awardee hockey Olympian, Jalaluddin Rizvi was the chief guest of a function organised near Upper Lake. Rizvi said that such an initiative is good to increase sports literacy among citizens in the country.

Founder of the mission, Pandey said, "Mission had recently conducted a nationwi-



ON A MISSION

de survey to gauge the public mood vis-a-vis participation in various sports activities. The survey proved to be an eye-opener. According to the findings, less than 5% of people have interest in sports, whereas less than 2% females were interested in sports. We want to increase it."

"Sports is a way of life and the organization is dedicated to promoting sports literacy in India especially among villagers and those parts of town where people are least aware of sports, as it believes that sports talents could be spotted from such places," Pandey added.

## जिला सिहोर (05 / 08 / 2021)



सिहोर के कलेक्टर चन्द्र मोहन ठाकुर को संस्था के सदस्य खेल ज्ञापन सौंपते हुए।



सिहोर जिले के लसुडिया परिहार गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर भेट करते हुए संस्था के सदस्य।



सिहोर जिले के लसुडिया परिहार गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फिल्म देखते हुए।



# जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश जिला जनसंपर्क कार्यालय, सीहोर

देश में पहली बार खेल साक्षरता प्रसार वाहन की भारत यात्रा

भोपाल के बच्चों ने किया वाहन को किया रवाना

सीहोर / 05-जगत्सन-2021



जब पूरा विश्व ओलम्पिक खेलों के जश्न में इवा हुआ है, वहीं " स्पोट्स ए वे ऑफ लाईफ " एनजीओ ओलम्पिक से सम्बन्धित खेलों को भारत के गांव - गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है। जातव्य है कि " स्पोट्स ए वे ऑफ लाईफ " एनजीओ सन् 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिये खेल साक्षरता अभियान चला रही है। संस्था के अध्यक्ष डा. कनिष्ठ पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत् है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत् ही है। ऐसी स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाये बिना ओलम्पिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कोड़ी जैसी है। खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है जोकि गाजियाबाद से 9 जुलाई से शुरू होकर प्रदेश के सैकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में किया था। इस यात्रा को देश के विख्यात पूर्व ओलम्पियस, अर्जुन पुरस्कार विजेता तथा द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में रवाना किया था।

"स्पोट्स ए वे ऑफ लाईफ " एनजीओ द्वारा चलाये जा रहे खेल साक्षरता प्रसार वाहन को दूसरे चरण में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंचा। यह वाहन मध्य प्रदेश के सागर, विदिशा, शहरों से होता हुआ यह वाहन आज भोपाल पहुंचा। भोपाल में संस्था की टीम द्वारा जिलाधिकारी, भोपाल श्री अविनाश लवानियां से भ्रैंट कर प्रदेश सरकार को सम्बोधित एक ज्ञापन खेलों को बढ़ावा देने के सम्बन्ध में सौंपा गया।

वीआईपी रोड गोहर महल भी खेल साक्षरता वाहन पहुंचा। देश के प्रख्यात ओलम्पियंस और अर्जुन पुरस्कार विजेता सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने इस वाहन का स्वागत किया। साथ ही क्षेत्र के बच्चों ने खेल साक्षरता को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डा. कनिष्ठ पाण्डेय से संवाद किया और ओलम्पिक खेलों की जानकारी लेने वाली बच्चों ने फिल्में भी देखी। इस अवसर पर अर्जुन पुरस्कार विजेता श्री जलालुद्दीन रिजवी ने बताया कि मेरे इतने लम्बे खेल जीवन में, खेलों को जन - जन तक पहुंचाने का इतना वैज्ञानिक एवं गंभीर प्रयास पहली बार हो रहा है। इसके लिये मैं बधाई देता हूँ। इन्होंने पूरे भारत में स्पोट्स की जानकारी देना जो मिशन रखा है। एक खिलाड़ी होने के नाते तथा भोपाल का निवासी होने के नाते शुक्रिया अदा करता हूँ। यह काम इतना बड़ा है जो लखनऊ से शुरू होकर आज भोपाल और अब आगे के लिये जा रही है। यह बहुत ही अच्छा मिशन है, जिसके तहत जो किताबें वितरित की जा रही हैं, उसमें एल्फा - बेटीकल खेलों एवं खिलाड़ियों के नाम भी लिखे हुये हैं तथा जो कलेण्डर वितरित किये जा रहे हैं उससे जाहिर होता है कि बच्चों को खेलों की तरफ जागरूक करना ही उद्देश्य है।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन ने भोपाल के ग्रामीण इलाकों में भी जागरूकता की अल्प जगाई। इस कड़ी में यह वाहन बंगरसिया पहुंचा। गांव में बच्चों, बजुर्गों तथा वृद्धों सभी ने खेल साक्षरता वाहन को लेकर काफी उत्साह देखा गया। इस गांव के बच्चों ने हाकी स्टिक दिखाकर इस वाहन को आगे के लिये रवाना किया।

इस संस्था के साथ देश के विख्यात अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलम्पियंस जुड़े हुये हैं, जिनमें श्री जफर इकबाल, श्री गोपाल सैनी, श्री देवेन्द्र झाझाड़िया तथा हाकी के महान खिलाड़ी स्व. मेजर ईयानचन्द जी के सुपुत्र श्री अशोक ईयानचन्द ओलम्पियन आदि हैं। द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता श्री गौरव खन्ना, अर्जुन पुरस्कार विजेता श्री विजय सिंह चौहान, पैरा ओलम्पियन पलक कोहली तथा अर्जुन पुरस्कार विजेता, श्री रणवीर सिंह भी हैं।

खेल साक्षरता प्रचार वाहन का कलेक्टर ने किया अवलोकन

# लसूड़िया परिहार में पहुंचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन, बच्चों को वितरित की गई खेल सामग्री

ठरिमूर्मि न्यूज ► सीहोर

साक्षरता प्रसार वाहन सीहोर जिले के लसूड़िया परिहार गांव पहुंचा। ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरुष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुंचे। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी तीन डाक्युमेंटी फिल्म दिखाई गई। कलेक्टर चंद्र मोहन ठाकुर ने खेल प्रचार वाहन का अवलोकन किया।

साथ ही साथ हमारी संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पांडेय ने बच्चों को ओलंपिक खेलों के बारे में तो बताया ही, साथ ही साथ उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल



को सिर्फ मैडल जीतने के नजरिये से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सके और चरित्र निर्माण के श्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया।

लसूड़िया परिहार में पहुंचने के बाद खेल के ऊपर बनी वीडियो प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तकाएं खेल प्रबोधिका, तथा खेल वर्णनाला पर बना कलैंडर बच्चों वितरित किया गया।

यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है।

# सीहोर जिले के लसुडिया परिहार में पहुँचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन

खेल साक्षरता प्रचार वाहन का कलेक्टर ने किया अवलोकन



सीहोर, । साक्षरता प्रसार वाहन सीहोर जिले के लसुडिया परिहार गांव पहुँचा। ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरुष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुँचे। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी

तीन डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई गई। कलेक्टर चन्द्र मोहन टाकुर ने खेल प्रचार वाहन का अवलोकन किया।

साथ ही साथ हमारी संस्था 'स्पोर्ट्स: ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ० कनिष्ठ पाण्डेय ने बच्चों को ओलिंपिक खेलों के बारे में तो बताया ही, साथ ही साथ उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सकें तथा चरित्र निर्माण के श्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया। लसुडिया परिहार में पहुँचने के उपरान्त खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाएं खेल प्रवेशिका, तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर बच्चों वितरित किया गया। यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक बृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गोजियाबाद में ९ जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है।



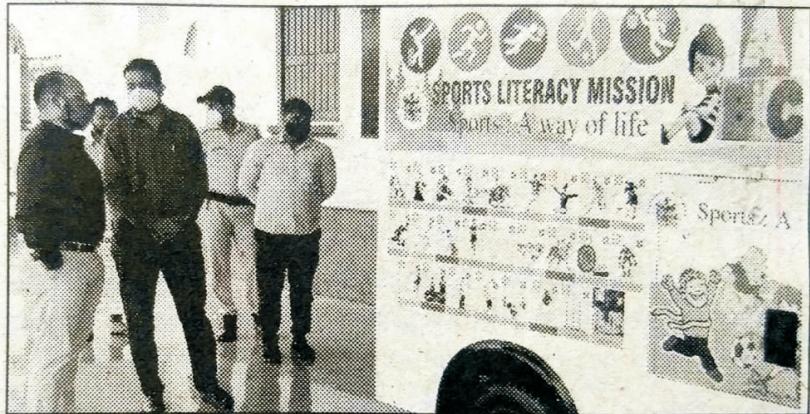
## लसूड़िया परिहार पहुंचा साक्षरता प्रसार वाहन

सीहोर। साक्षरता प्रसार वाहन जिले के लसूड़िया परिहार गांव पहुंचा। ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरुष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुंचे। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी तीन डाक्यूमेंटी फ़िल्म दिखाई गई। कलेक्टर चंद्र मोहन ठाकुन ने खेल प्रचार वाहन का अवलोकन किया। ए वे 'ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय ने बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में तो बताया ही, साथ ही साथ उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिए से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सकें तथा चरित्र निर्माण के श्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया। लसूड़िया परिहार में पहुंचने के बाद खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तकाएं खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर बच्चों वितरित किया गया। यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है। (नमा)

# ग्रामीण बच्चों के बीच पहुंचा खेल प्रसार वाहन

सीहोर. साक्षरता प्रसार वाहन ग्राम लसुडिया परिहार पहुंचे. ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरुष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुंचे. इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी तीन डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई गई. कलेक्टर चन्द्र मोहन ठाकुर ने खेल प्रचार वाहन का अवलोकन किया.

साथ ही साथ हमारी संस्था स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय ने बच्चों को ओलम्पिक खेलों के बारे में तो बताया. उन्होंने हर उम्र के



लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से न देखने का आग्रह किया. खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सकें तथा

चरित्र निर्माण के श्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया. खेल के ऊपर बनी वीडियो प्रदर्शित करने के साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाएं प्रवेशिका, तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर वितरित किया गया.



## जिला राजगढ़ (05 / 08 / 2021)



राजगढ़ के कलेक्टर नीरज कुमार सिंह आईएएस को संस्था के सदस्य खेल ज्ञापन सौंपते हुए।



राजगढ़ जिले के कुरावर गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर व खेल पुस्तिका भेंट करते हुए संस्था के सदस्य।



राजगढ़ जिले के कुरावर गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फिल्म देखते हुए।



## जिला झालावाड़ (06 / 08 / 2021)



झालावाड़ जिले के कलेक्टर हरी मोहन मीना आईएएस को संस्था के सदस्य खेल झापन सौंपते हुए।



झालावाड जिले के दुर्गपुरा गांव की सरपंच को खेल कलैण्डर भेंट करते हुए संस्था के सदस्य।



झालावाड जिले के दुर्गपुरा गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फ़िल्म देखते हुए।



## जिला कोटा (07 / 08 / 2021)



राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो आर. ए. गुप्ता को संस्था के सदस्य खेल ज्ञापन सौंपते हुए।



कोटा जिले के ताथेड गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर भेंट करते हुऐ संस्था के सदस्य।



कोटा जिले के ताथेड गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फ़िल्म देखते हुऐ।

खेल साक्षरता पुरुषों में 5 प्रतिशत, महिलाओं में मात्र 2.5 प्रतिशत ही

## जागृति लेकर खेल रथ पहुंचा ताथेड

नवजयोति / कौता।

देश में खेलों के ज्ञान जागरूकता एवं बढ़ावा देने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण विजेताओं के द्वारा गोपनीयावाद में 9 जुलाई को भारत द्वारा के लिए यात्रा किया गया खेल साक्षरता रथ रविवार को जिले के ताथेड़ गांव पहुंचा जहाँ ग्रामीणों को लातूर पिल्लव दिखाकर बच्चों को खेलों सम्बन्धीय पुस्तकों का वितरण किया गया।

खेल साक्षरता वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्कॉल पर दरशकों के खेल के लिए बच्चों 3 डायलमेट्री पिल्लव दिखाइ। संस्था स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डे ने ग्रामीणों को वायावी कानूनीसंस के जारीए सम्बोधित करते हुए बच्चों को ऑलाइम्पिक खेलों के बारे में बताया तथा खेलों में खेलने के लिए करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने हर उम के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मरोजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रथ सकें तथा चरित्र निर्माण के लिए के रूप में देखने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि खेल साक्षरता प्रशार वाहन को गोपनीयावाद से 9 जुलाई को जाफ़ इकबाल, गोपाल



खेल साक्षरता रथ द्वारा बच्चों को वर्णनाता बांटते हुए।

सैमी, डेवेन झाझाड़िया तथा हांसोंके बाबत खेल विद्यालयी रथ, मेजर धाननदन के पुत्र अमोक ध्यानचन्द के उपर्याप्ति करने के साथ-साथ बच्चों को खेल में गोपनीयावाद से शुरू की गई है। जो प्रश्न के सेकड़ी गांवों, उन्होंने जीतने के लिए जीतने में होते हुए प्रश्न दरण में अपनी यात्रा लख्नऊ में मध्यप्रदेश की ओर बढ़ रहा है।

इस संस्था के साथ देश के विषयात् अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्वारा चार पुरस्कार विजेता, खेल रथ पुरस्कार प्रशार वाहन को गोपनीयावाद से 9 जुलाई को जाफ़ इकबाल, गोपाल

यात्रा के दैरेन ताथेड़ में पहुंचने के महान खिलाड़ी रथ, मेजर धाननदन के पुत्र अमोक ध्यानचन्द के उपर्याप्ति करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुरस्कारों, खेल प्रतेशिका तथा खेल वर्णनाता पर बना कलांडर विनिर्दित किया गया। इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. पाण्डे को खेल साक्षरता अभियान चला रही है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. पाण्डे ने खेल साक्षरता मुद्रित को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत ही है। ऐसी

आश्वासन दिया। ओटा तकनीकी विद्यावालय के कुलपाति आर.ए. गुप्ता को खेल के लिए अनुकूल मालीन बनाने के लिए इन इन मार्गों का जापन किया गया। इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों से उनके संपर्कों देश में खेल को बढ़ावा देने के लिए खेल साक्षरता अभियान चला रही है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. पाण्डे ने खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत ही है। ताकि बच्चे उन्हें पहचान सकें।

विद्यति में लोगों को खेल माध्यर बनाये जाना ऑलाइम्पिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपर्याप्ति दूर की कीड़ी जैसी है। उन्होंने बताया कि आज जब पूरा विवेच ऑलाइम्पिक खेलों के असर में इव्वा हुआ है, वही दृष्टियोंसे ए वे ऑफ लाइफ एनजीओ औलाइम्पिक से सम्बन्धित खेलों को भारत के गोव-गोव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ तھा।

### प्रचार रथ की विशेषताएं

प्रचार रथ में एक एल.सी.डी. स्कॉल लाइफ हुई है, जिसके माध्यम से किसी ग्रामीण में उत्तराख के सम्बन्धित विषयों के लिए स्पोर्ट्स आशातिपि स्पोर्ट्स दिखाइ जाती है। स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. पाण्डे की गंभीर मूल शोध की प्रतिलिपि सरपंचों को उपलब्ध करवायी जाती है ताकि वो खेल मूल्यों को सम्बन्ध संकें और वह भी जान सकें कि कैसे खेल से उनके चरित्र का निर्माण होगा और इसकी जानकारी ग्रामीणों के साथ साझा कर सकें।

वाहन के ऊपर हिंदी और अंग्रेजी की ग्रामीणों को लागवाया गया है साथ ही साथ देश में ऑलाइम्पिक पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के चित्र भी उक्की गई हैं। ताकि बच्चे उन्हें पहचान सकें।

# खेल साक्षरता रथ जिले के ताथेड गांव में पहुँचा

कोटा ४ अगस्त। देश में खेलों के प्रति जागरूकता एवं बढ़ावा देने के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में ९ जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया खेल साक्षरता रथ रविवार को जिले के ताथेड गांव पहुँचा जहां ग्रामीणों को लघु फिल्म दिखाकर बच्चों को खेलों सम्बन्धी पुस्तकों का वितरण किया गया।

खेल साक्षरता वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी ३ डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई। संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय ने ग्रामीणों को बीडियों कान्फेंसिंग के जरिये सम्बोधित करते हुए बच्चों को ओलंपिक खेलों के बारे में बताया तथा खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने हर उम्र के



लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सकें तथा चरित्र निर्माण के स्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया।

इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया। कोटा तकनीकी विष्वविद्यालय के कुलपति आर.ए. गुप्ता को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए इन मांगों का ज्ञापन दिया गया।

में  
पे

वाकी  
एर में  
पारी  
में  
का  
ती।  
जब  
वा  
नी  
पर  
तथा

प्रा  
गत  
के  
गर  
दीर  
भा  
का  
पर्ये  
इ।  
के  
धा,

।

खेल साक्षरता पुरुषों में 5 प्रतिशत, महिलाओं में मात्र 2.5 प्रतिशत ही

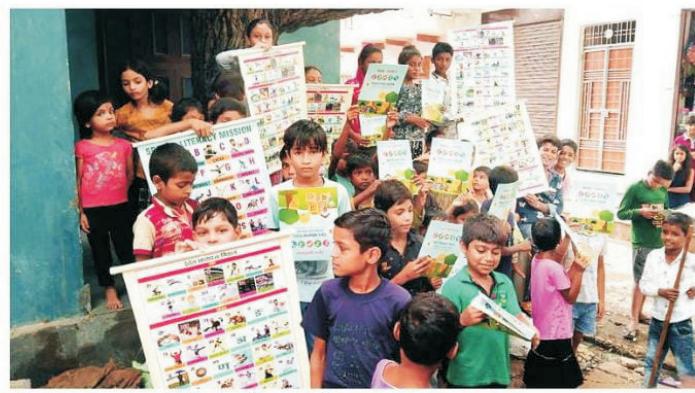
## जागृति लेकर खेल रथ पहुंचा ताथेड

नवज्योति / कोटा।

देश में खेलों के प्रतीत जागरूकता एवं बढ़ावा देने के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया खेल साक्षरता रथ रथवार को जिले के ताथेड़ गांव पहुंचा जहाँ ग्रामीणों को लघु फिल्म दिखाकर बच्चों को खेलों सम्बन्धी पुस्तकों का वितरण किया गया।

खेल साक्षरता वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई। संस्था स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियों का कनेक्टिविंग के जरिए सम्बन्धित करने हुए बच्चों को ओलिंपिक खेलों के बारे में बताया तथा खेलों में नुस्खा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिफ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने का आग्रह किया। खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम जिससे कि वो स्वस्थ रह सके तथा चरित्र निर्माण के स्रोत के रूप में देखने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि खेल साक्षरता प्रशासन वाहन को गाजियाबाद से 9 जुलाई को जफर इकबाल, गोपाल



खेल साक्षरता रथ द्वारा बच्चों को वर्णमाला बांटते हुए।

सैनी, देवनंद झाझाड़िया तथा हाँकी के महान खिलाड़ी रवे. मेजर ध्यानचन्द की उपस्थिति के पुत्र अशोक ध्यानचन्द की उपस्थिति में गाजियाबाद से शुरू की गई है। जो प्रदेश के सेकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा लखनऊ में मध्यप्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इस संस्था के साथ देश के विभिन्न अर्जुन पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलिंपियंस जुड़े हुए हैं।

पर खेल के ऊपर बनी वीडियों प्रतीक्षित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाएं, खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर वितरित किया गया। इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम के शुरू करने पर साधुवान दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का

आश्वासन दिया। कोटा तकनीकी विद्याविद्यालय के कुलपति आर.ए. गुप्ता को खेल के लिए अनुदूषन माहौल बनाने के लिए इन मांगों का जापन दिया गया।

उन्होंने बताया कि स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ एन.जी.ओ. 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिए खेल साक्षरता अभियान चला रहा है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत है और महिलाओं के बीच भी उकेरी दूर है। ताकि बच्चे उन्हें पहचान सकें।

स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाये बिना ओलिंपिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कौड़ी जैसी है। उन्होंने बताया कि आज जब पूरा विश्व ओलिंपिक खेलों के जश्न में जुटा हुआ है, वहीं हाव्यास्टर्स ए. वे ऑफ लाइफ एन.जी.ओ. ओलिंपिक से सम्बन्धित खेलों को भारत के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है।

**प्रचार रथ की विशेषताएं**

प्रचार रथ में एक एल.सी.डी. स्क्रीन लगी हुई है, जिसके माध्यम से किसी ग्राम में ठहराव के समय बच्चों के लिये स्पॉर्ट्स आधारित पिल्में दिखाई जाती हैं। स्पॉर्ट्स ए. वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष द्वारा की गई मूल शोध की प्रतिलिपि सरपंचों को उपलब्ध करवायी जाती है ताकि वो खेल मूल्यों को समझ सकें और वह भी जान सकें कि कैसे खेल से उनके चरित्र का निर्माण होगा और इसकी जानकारी ग्रामीणों के साथ साझा कर सकेंगे।

वाहन के ऊपर हिन्दी और अंग्रेजी की वर्णमाला को लगाया गया है साथ ही साथ देश में ओलिंपिक पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के चित्र भी उकेरी दूर हैं। ताकि बच्चे उन्हें पहचान सकें।

उपस्थित रहेंगे।

कोति गढ़ोर के संयुक्त अधियान से इस पर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा हुसेन, दिलोप नायक उपस्थित रहे। कायक्रम में अपने संबोधन में माहेश्वरी लिए बच्चों के अस्पताल को 40 लाख

C  
M  
K

# खेलों के प्रति जागरूकता के लिए शुरू किया गया खेल साक्षरता रथ जिले के ताथेड़ गांव में पहुंचा

कोटा, (निसे)। देश में खेलों के प्रति जागरूकता एवं बढ़ावा देने के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गोजियावाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया खेल साक्षरता रथ अधिकारी को बिलो के ताथेड़ गांव पहुंच जहां ग्रामीणों को लघु फिल्म दिखाकर बच्चों को खेलों सम्बन्धी पुस्तकों का वितरण किया गया।

खेल साक्षरता बाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेलों के कृपावनी 3 डाक्युमेंटी फिल्म दिखाई। संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे आफ लाइफ' के अध्यक्ष डा. कनिष्ठ पाण्डेय ने ग्रामीणों को बीडिंगो कार्फैसिंग के जरिये साक्षरता करते हुए बच्चों को ओलंपिक खेलों के बारे में बताया तथा खेलोंन्कूश करने के लिए आत्माहित किया। उन्होंने हर उम्र के लोगों को खेलने का आक्रमन किया और खेल को एक मनोरंजन के रूप में तथा शारीरिक व्यायाम विसर्से कि वो स्वस्थ रह सके तथा चरित्र निर्माण के लिये खेलों के रूप में देखने का अप्राह किया।

उन्होंने बताया कि खेल साक्षरता



खेलों के प्रति जागरूकता के लिए शुरू किये गये खेल साक्षरता रथ द्वारा जिले के ताथेड़ गांव में बच्चों को वर्णामाला बांटी गई।

प्रसार वाहन को गोजियावाद से 9 जुलाई 2021 को जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेन्द्र जाङ्गड़िया तथा हांकी के महान खिलाड़ी स्व. मेवर दर्जनों बच्चों और कई जिलों में होते पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार दर्जनों और कई जिलों में होते पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलंपियंटेस जुड़े हुये हैं।

यात्रा के दौरान ताथेड़ में पहुंचने पर खेल के कृपावनी वीडियो प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पूर्णिमाएं, खेल प्रवेशका तथा खेल वर्णामाला पर बना कलेजर वितरित किया गया।

इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने 'स्पोर्ट्स ए वे आफ लाइफ' के अध्यक्ष डा. पाण्डेय को

विना ओलंपिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की बैठी है। उन्होंने बताया कि आज जब पूरा विश्व ओलंपिक खेलों के जश्न में इच्छा हुआ है, वहीं "स्पोर्ट्स ए वे आफ लाइफ" पर्सनों ओलंपिक से साक्षरता खेलों के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है।

प्रचार रथ की विशेषताएं:- प्रचार रथ में एक एल.सी.डी. स्क्रीन लगी हुई है, जिसके माध्यम से किसी ग्राम में ठहराव के समय बच्चों के लिये स्पोर्ट्स आत्मरित फिल्में दिखाई जाती हैं। "स्पोर्ट्स ए वे आफ लाइफ" के अध्यक्ष द्वारा की गई मूल शोध की गुणा को खेल के लिए अनुकूल माहील प्रतिलिपि सरपंचों को उपलब्ध बनाने के लिए इन मार्गों का जापन दिया गया। उन्होंने बताया कि "स्पोर्ट्स ए वे आफ लाइफ" एन.जी.ओ. 2017 से कि कैसे खेल से उनके चरित्र का निर्माण होगा और इसकी जानकारी ग्रामीणों के साथ साझा कर सकेंगे।

बाहन के कृपावनी और अंग्रेजी की वर्णामाला को लगाया गया है साथ ही साथ देश में ओलंपिक पदम जीतने वाले खिलाड़ियों के चित्र भी उकेरी गई रिस्ति में लगाए जाएंगे।

+



# भारत यात्रा पर निकला खेल साक्षरता प्रसार वाहन ताथेड़ पहुँचा

युवा खिलाड़ी डॉ. कनिष्ठ  
पाण्डेय कर रहे ग्रामीण  
भारत को खेलों के प्रति  
साक्षर

कोटा तकनीकी  
विश्वविद्यालय के कुलपति  
को ज्ञापन भी सौंपा

कार्यालय संचाददाता

कोटा, 8 अगस्त। खेल साक्षरता प्रसार वाहन, कोटा जिले के ताथेड़ गांव पहुँचा। नेहरू युवा केन्द्र कोटा के पंजीकृत आदर्श स्वामी विवेकानंद युवा मण्डल के सहयोग से ताथेड़ में ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरुष के साथसाथ सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुँचे। यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन, एक



वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है।

इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई। साथ ही साथ संस्था 'स्पोर्ट्स: ए वे ऑफ लाइफ' के

अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय ने इन ग्रामीणों को बीड़ियों कारेंसिंग के जरिये सम्बोधित किया।

उन्होंने इन बच्चों को ओलंपिक खेलों के बारे में तो बताया, साथ ही साथ उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया तथा उनके गाँव अपने का वायदा भी किया।

इस यात्रा के दौरान ताथेड़ में

पहुँचने के उपरान्त खेल पर बनी बीड़ियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाल, खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्षमाला पर बना कलेण्डर बच्चों के बीच वितरित किया गया।

इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष डॉ. पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा आदर्श स्वामी विवेकानंद युवा मण्डल उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया।

कोटा तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति आर.ए. गुप्ता को खेल के अनुकूल माहील बनाने के लिए मार्गों का ज्ञापन भी सौंपा गया।

पुंछ  
ब  
अ  
अ  
र  
अ  
क  
न  
अ  
व  
ल  
के  
से  
अ  
में  
उ  
क  
में  
में



# खेल साक्षरता रथ जिले के ताथेड़ गांव में पहुंचा



**कोटा @ पत्रिका.** देश में खेलों के प्रति जागरूकता एवं बढ़ावा देने के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेताओं की ओर से गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया खेल साक्षरता रथ रविवार को कोटा जिले के ताथेड़ गांव पहुंचा। जहां ग्रामीणों को लघु फिल्म दिखाकर बच्चों को खेलों संबंधी पुस्तकों का वितरण किया गया।

खेल साक्षरता वाहन में लगी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई। संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए सम्बोधित करते हुए बच्चों को ओलंपिक

खेलों के बारे में बताया। खेल साक्षरता प्रसार वाहन को गाजियाबाद से 9 जुलाई 2021 को जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेन्द्र झाझाड़िया तथा हॉकी खिलाड़ी स्व. मेजर ध्यानचन्द के पुत्र अशोक ध्यानचन्द की उपस्थिति में गाजियाबाद से शुरू की गई थी। इस संस्था के साथ देश के विभिन्न अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलंपियंस जुड़े हुए हैं। यात्रा के दौरान ताथेड़ में पहुंचने पर खेल के ऊपर बनी वीडियो प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिक, खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर वितरित किया गया।

अख्यात आपा रामा न कहा। एक नारे द्वासपाठ नगर में एस्ट्राक्शन जपना भवन बनाएगा। इसके लिए वार्ता चल रही है।

आरएमआरएस के भाष्यम से हृष्पर के पद ५८

दो रुपए वर्ष के २१ हजार १०५ रुपए दरमा।

के बाद आपा डाकात जन का आपने 4500 रुपए मानदेव के साथ लगाया गया था, मैं बाकी ६ माह की तन्त्रज्ञान का चेक तुड़ी दे जमानत अर्जी खारिज कर दी है।

# खेल साक्षरता रथ का ताथेड़ पहुंचने पर स्वागत



संदेश न्यूज़ कोटा.

देश में खेलों के प्रति आगरकता एवं बढ़ावा देने के लिए अनुरूप पुरस्कार विजेताओं द्वारा गणियाचाद में ९ जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया खेल साक्षरता रथ रविवार को ताथेड़ पहुंचा। यहाँ ग्रामीणों को लघु फिल्म दिखाकर बच्चों को खेलों सम्बन्धी पुस्तकों का वितरण किया गया। खेल साक्षरता बाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दशकों को खेल के ऊपर बनी ३ डाक्युमेंट्स एवं संस्था 'स्पोर्ट्स

आग्रह किया। उन्होंने बताया कि खेल साक्षरता प्रसार बाहन को गणियाचाद से गत ९ जुलाई को जफर इकबाल, गोपाल मैरी, देवेंद्र झांडिया तथा मजर घ्यानचन्द के पुत्र अशोक घ्यानचन्द को उपरिथान में गणियाचाद से रवाना किया गया। इस संस्था के साथ देश के

विख्यात अर्जन पुरस्कार विजेता, ग्रीष्माचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलंपियन्स तकनीकी द्वारान कोटा। तकनीकी विश्वविद्यालय के कूलपति आर.ए.गुप्ता को खेल के लिए अनुकूल माहील बनाने के लिए जापन दिया गया।

## खण्ड पदक प्राप्त करने पर जेके पैरेलियन में बंटी मिटाई



संदेश न्यूज़ कोटा. ओलंपिक में नीरज चोपड़ा द्वारा स्वर्ण पदक जितने पर रविवार सुबह सभी खिलाड़ियों ने जे.के. पैरेलियन स्टेडियम एकत्रित होकर एक-दूसरे को मुंह मिटा करवाया। इस अवसर पर भाजपा महामंडी जगदीश जिंदल, अरविंद कपूर बिट्टा, अश्वलीन्स कोच एवं पूर्व राष्ट्रीय स्तरीय गोला फैंक खिलाड़ी श्याम नाहर, व्यायाय सुवालका, रिकु मोना, आदि उपरिथत थे।

## ओलंपिक में भारत के अब तक के सर्वशेष प्रदर्शन का जश्न मनाया



संदेश न्यूज़ कोटा. जब से ओलंपिक्स में भारत की सफलता के लिए दोप जलाकर द्रस्टी डॉ. निधि तब से भारत फील्ड एंड ट्रैक गेम्स में गोल्ड के इतिहास में रहा, जिसे इस बार भारत के जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने गोल्ड जीत कर समाप्त कर दिया। ओलंपिक्स खेलों में १२१ वर्षों के इतिहास के बाद फील्ड एंड ट्रैक में मिले गोल्ड मैडल का जश्न सायाइटी हैस ईव शी ईटरेनेशनल चैरिटेबल ट्रूट के समाप्त के दिन राष्ट्रगान जन गण मन गाकर, केक काटकर व आगामी पैरेस

ओलंपिक्स में भारत की सफलता के लिए दोप जलाकर द्रस्टी डॉ. निधि त्रिपापति, गणेश रस रखा की खिलाड़ी ज्योति भट्टीरिया, जेवलिन थ्रोअर अनु जोशी राजोरिया, हांकी खिलाड़ी कविता शर्मा, रीना खंडेलवाल, गजलश्री, विजय निगम ने उपरिथत अमजद के साथ मिलकर मनाया गया। अंत में वहाँ उपरिथत सभी लोगों ने मिलकर देश की सफलता में राष्ट्रगान, ये देश है वीर जवानों का गीत गते हुए नाचते हुए भारत माता की जय, भारतीय खिलाड़ी जिंदवाद के नारे लगा।

## ताथेड़ में ग्रामीणों को खेलों का बताया महत्व

कोटा| खेल साक्षरता प्रसार वाहन ताथेड़ गांव पहुंचा। नेहरू युवा केन्द्र कोटा के पंजीकृत आदर्श स्वामी विवेकानन्द युवा मण्डल ग्राम ताथेड़ के सहयोग से गांव में



बच्चे, महिला, पुरुष के साथ सरपंच भी उत्सुकता से खेल साक्षरता वाहन देखने पहुंचे। यह वाहन 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं द्वारा गाजियाबाद से 9 जुलाई का रवाना किया था। इसमें लगी एलसीडी स्क्रीन पर 3 खेल डॉक्यूमेटी फिल्म दिखाई। स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय ने ग्रामीणों को बीसी के जरिए सम्बोधित किया। साथ ही कोटा विवि के कुलपति आरए गुप्ता को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए ज्ञापन दिया।

“ ” “ ” “ ”



## जिला बूंदी (08 / 08 / 2021)



बूंदी जिले के एडीएम अमानुल्लाह खान को संस्था के सदस्य खेल ज्ञापन सौंपते हुए।



बूंदी जिले के हरणा गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर भेंट करते हुए संस्था के सदस्य।



बूंदी जिले के हरणा गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फिल्म देखते हुए।

# टॉक जिले के बनेडिया चारणान गांव में पहुँचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन

कार्यालय संवाददाता

टॉक(बढ़ता राजस्थान)। खेल साक्षरता प्रसार वाहन टॉक जिले के बनेडिया चारणान गांव पहुँचा। इस गांव में भारी तादाद में ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरुष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुँचे।

इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डिक्यूमेंटी फिल्म दिखाई। साथ ही संस्था च्यॉट्सन्-ए वे ऑफ लाइफजू के अध्यक्ष डॉ० कनिक पाण्डेय ने ग्रामीणों को बीडियों कान्फ्रैंसिंग के जरिये सम्बोधित किया। उन्होंने इन बच्चों को ओलिम्पिक खेलों के बारे में बताया तथा उन्हें खेलोंमुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। साथ ही उनके



गांव आने का बायदा भी किया। यह भी आश्वस्त किया कि उनके गांव के लिए प्रशासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने का अनुरोध करेंगे और खेल उपकरण भी उपलब्ध कराने का प्रयत्न करेंगे। पाण्डेय ने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से न

देखने बल्कि खेल को एक मनोरंजन तथा शारीरिक व्यायाम के रूप में अपनाने पर जोर दिया। खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है। इस यात्रा के दौरान गांव

बनेडिया चारणान में पहुँचने पर खेल के ऊपर बनी बीडियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाएं खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर बच्चों के बीच वितरित किया गया। बच्चों के हाथ जैसे ही यह पुस्तिका लगी वो खुशी-खुशी इस खेल वर्णमाला को पढ़ते देखे गये।

इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने च्यॉट्सन्-ए वे ऑफ लाइफजू के अध्यक्ष डॉ० कनिक पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए शुरू करने का आशासन दिया। जिला कलेक्टर, टॉक चिन्मयी गोपाल को खेल के लिए अनुकूल माहील बनाने के लिए इन मांगों का

ज्ञापन दिया गया।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है जोकि गाजियाबाद से 9 जुलाई 2021 से शुरू होकर प्रदेश के सैकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में मध्यप्रदेश की यात्रा पर बढ़ रहा है। इस संस्था के साथ देश के विभाग अर्जुन पुरस्कार विजेता, दोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलिम्पियस जुड़े हुये हैं, जिनमें जफर इकबाल, गोपाल मीरी, देवेन्द्र झिलाड़िया तथा हींकी के महान खिलाड़ी स्व० मेजर ध्यानचन्द जी के सुपुत्र अशोक ध्यानचन्द ओलिम्पियन आदि हैं। गाजियाबाद में इस यात्रा की शुरूआत देश के इन्हीं प्रख्यात खिलाड़ियों द्वारा की गई।

# टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव में पहुंचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन

## खेलों की दुनिया

टोंक। खेल साक्षरता प्रसार वाहन टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव पहुंचा। इस गांव में भारी तादाद में ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरुष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्तुकुता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुंचे। इस वाहन में लड़ी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डिक्टीमेंटी फिल्म दिखाई। साथ ही संस्था 'स्पोर्ट्स-ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ० कनिष्ठ पाण्डेय ने ग्रामीणों को बीड़ियों कान्फ्रेसिंग के जरिये सम्बोधित किया।

उन्होंने इन बच्चों को ओलिंपिक खेलों के बारे में बताया तथा उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। साथ ही उनके गांव आने का बायदा भी किया। यह भी आश्वस्त किया कि उनके गांव के लिए प्रशासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने का अनुरोध करेंगे और खेल उपकरण भी उपलब्ध कराने का प्रयत्न करेंगे।

पाण्डेय ने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने बल्कि खेल को एक मनोरंजन तथा शारीरिक व्यायाम के रूप में अपनाने पर जोर दिया। खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक बृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा



गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है। इस यात्रा के दौरान गांव बनेडिया चारणान में पहुंचने पर खेल के ऊपर बनी बीड़ियों प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तकाएं खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेण्डर बच्चों के बीच वितरित किया गया। बच्चों के हाथ जैसे ही यह पुस्तकां लागी बो खुशी-खुशी इस खेल वर्णमाला को पढ़ते देखे गये।

इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने 'स्पोर्ट्स-ए वे ऑफ लाइफ' के अध्यक्ष डॉ० कनिष्ठ पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच

खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आशासन दिया। जिला कलेक्टर, टोंक चिन्मयी गोपाल को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए इन मार्गों का ज्ञापन दिया गया।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है जोकि गाजियाबाद से 9 जुलाई 2021 से शुरू होकर प्रदेश के सेकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में मध्यप्रदेश की यात्रा पर बढ़ रहा है। इस संस्था के साथ देश के विख्यात अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्वोणाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलिंपियंस जुड़े हुये हैं, जिनमें जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेन्द्र जाझाड़िया तथा

हॉकी के महान खिलाड़ी स्व० मेजर ध्यानचंद जी के सुपुत्र अशोक ध्यानचंद ओलिंपियन आदि हैं। गाजियाबाद में इस यात्रा की शुरूआत देश के इन्हीं प्रख्यात खिलाड़ियों द्वारा की गई। ज्ञातव्य है कि "स्पोर्ट्स-ए वे ऑफ लाइफ" एन.जी.ओ. सन् 2017 से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिये खेल साक्षरता अभियान चला रही है। संस्था के अध्यक्ष डॉ० कनिष्ठ पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत ही है। ऐसी स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाये बिना ओलिंपिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कौड़ी जैसी है।

# टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव में पहुँचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन

कार्यालय संबाददाता

**टोंक(बनाम वरदान)**। खेल साक्षरता प्रसार वाहन टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव पहुँचा। इस गांव में भारी तादाद में ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरुष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुँचे। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई।

साथ ही संस्था च्यूसोटर्स-ए वे ऑफ लाइफजू के अध्यक्ष डॉ० कनिक पाण्डेय ने ग्रामीणों को बीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सम्बोधित किया। उन्होंने इन बच्चों को ओलिंपिक खेलों के बारे में बताया तथा उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। साथ ही उनके गांव आने का बायदा भी किया। यह भी आश्वस्त किया कि उनके गांव के लिए प्रशासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने का अनुरोध करेंगे और खेल उपकरण भी उपलब्ध कराने का प्रयत्न करेंगे। पाण्डेय ने हर उम्र के लोगों को खेलने का आह्वान किया और खेल को सिर्फ मैडल जीतने के नजरिये से ना देखने बल्कि खेल को एक मनोरंजन तथा शारीरिक व्यायाम के रूप में अपनाने पर जोर दिया।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक बृहद कार्यक्रम का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार



गोपाल को खेल के लिए अनुकूल माहील बनाने के लिए इन मांगों का ज्ञापन दिया गया।

खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है जोकि गाजियाबाद से 9 जुलाई 2021 से शुरू होकर प्रदेश के सैकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में मध्यप्रदेश की यात्रा पर बढ़ रहा है। इस संस्था के साथ देश के विभिन्न अर्जुन पुरस्कार विजेता, द्वेषाचार्य पुरस्कार विजेता, खेल रत्न पुरस्कार विजेता और कई पूर्व ओलिंपियंस जुड़े हुये हैं, जिनमें जफर इकबाल, गोपाल सैनी, देवेन्द्र झाजाड़िया तथा हैंकी के महान खिलाड़ी स्व० मेजर ध्यानचन्द जी के सुपुत्र अशोक ध्यानचन्द ओलिंपियन आदि हैं। गाजियाबाद में इस यात्रा की शुरूआत देश के इनहीं प्रख्यात खिलाड़ियों द्वारा की गई।

ज्ञातव्य है कि स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ एन०जी०ओ० सन् २०१७ से देश में खेल को बढ़ावा देने के लिये खेल साक्षरता अभियान चला रहा है। संस्था के अध्यक्ष डॉ० कनिक पाण्डेय ने बताया कि देश में खेल साक्षरता महज 5 प्रतिशत है और महिलाओं के बीच तो यह मात्र 2.5 प्रतिशत ही है। ऐसी स्थिति में लोगों को खेल साक्षर बनाये बिना ओलिंपिक खेलों में देश की प्रभावशाली उपस्थिति दूर की कौड़ी जैसी है।



# टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव में पहुँचा खेल साक्षरता प्रसार वाहन

टोंक (ताज भारती)। खेल साक्षरता प्रसार वाहन टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव पहुँचा। इस गांव में भारी तादाद में ग्रामीण बच्चे, महिला और पुरुष के साथ-साथ ग्राम सरपंच भी उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखने पहुँचे। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी टीवी पर दर्शकों को खेल के ऊपर बनी 3 डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई। साथ ही संस्था “स्पोर्ट्स ए वे ॲफलाइफ” के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय ने ग्रामीणों को वीडियो कान्फ्रैंसिंग के जरिये सम्बोधित किया। उन्होंने इन बच्चों को ओलंपिक खेलों के बारे में बताया तथा उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। साथ ही उनके गांव आने का वायदा भी किया। यह भी आश्वस्त किया कि उनके गांव के लिए प्रशासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने

का अनुरोध करेंगे और खेल उपकरण भी उपलब्ध कराने का प्रय करेंगे। पाण्डेय ने हर उम्र के लोगों को खेलने का आग्नान किया और खेल को सिर्फ मेडल जीतने के नजरिये से ना देखने बल्कि खेल को एक मनोरंजन तथा शारीरिक व्यायाम के रूप में अपनाने पर जोर दिया। खेल साक्षरता प्रसार वाहन को एक वृहद कार्य म का आयोजन कर 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है। इस यात्रा के दौरान गांव बनेडिया चारणान में पहुँचने पर खेल के ऊपर बनी वीडियो प्रदर्शित करने के साथ-साथ बच्चों को खेल पुस्तिकाएं खेल प्रवेशिका तथा खेल वर्णमाला पर बना कलेप्टर बच्चों के बीच वितरित किया गया। बच्चों के हाथ जैसे ही यह पुस्तिका लगी वो खुशी-खुशी इस खेल

वर्णमाला को पढ़ते देखे गये। इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणों एवं बच्चों ने “स्पोर्ट्स ए वे ॲफलाइफ” के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय को खेल साक्षरता मुहिम को शुरू करने पर साधुवाद दिया तथा उनके खेल साक्षरता मिशन से जुड़कर सभी ग्रामीणों के बीच खासकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने का आशासन दिया। जिला कलेक्टरएट टोंक चिन्मयी गोपाल को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए इन मांगों का ज्ञापन दिया गया। खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है जो कि गजियाबाद से 9 जुलाई 2021 से शुरू होकर प्रदेश के सैकड़ों गांवों, दर्जनों कस्बों और कई जिलों में होते हुये प्रथम चरण में अपनी यात्रा का समापन लखनऊ में मध्यप्रदेश की यात्रा पर बढ़ रहा है।



## जिला टोंक (09 / 08 / 2021)



टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव के बच्चों को खेल कलैण्डर भेंट करते हुए संस्था के सदस्य।



टोंक जिले के बनेडिया चारणान गांव के बच्चे खेल साक्षरता प्रसार वाहन की स्क्रीन पर फ़िल्म देखते हुए।



## हरणा गांव में जागरूकता प्रसार वाहन से खेल साक्षरता

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। "स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ" संस्था द्वारा आरंभ किया गया खेल साक्षरता प्रसार वाहन जिले के हरणा गांव पहुंचा। इससे पूर्व संस्था प्रतिनिधियों ने अतिरिक्त जिला कलक्टर अमानुल्लाह खान को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए ज्ञापन दिया। हरणा गांव में स्थानीय जनप्रतिनिधि, बच्चे, महिला पुरुषों ने उत्सुकता से इस खेल साक्षरता वाहन को देखा व इसके बारे में जानकारी ली। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल आधारित डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई।

स्पोर्ट्स:ए वे ऑफ लाईफ के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा सम्बोधित करते हुए ओलिंपिक खेलों के बारे में बताया। उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए आश्वस्त किया कि उनके गांव में प्रशासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने व उपकरण दिलाने का प्रयत्न करेंगे।

उन्होंने बताया कि यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं द्वारा



## जागरूकता वाहन खेलों के लिए कर रहा जागरूक

बूदी स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ संस्था का खेल साक्षरता प्रसार वाहन हरणा गांव पहुंचा। इससे पूर्व संस्था प्रतिनिधियों ने एडीएम एयू खान को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए ज्ञापन दिया। हरणा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों ने उत्सुकता से खेल

साक्षरता वाहन के बारे में जानकारी ली। अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पांडेय ने वीसी के जरिए ओलंपिक खेलों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि खेल साक्षरता प्रसार वाहन 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं की ओर से गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया था।



## हरणा गांव पहुंचा जागरूकता खेल साक्षरता प्रसार वाहन

राजमार्ग संवाददाता

बूंदी, 10 अगस्त। "स्पोर्ट्स एवे ऑफ लाइफ" संस्था द्वारा आरंभ किया गया खेल साक्षरता प्रसार बाहन जिले के हरणा गांव पहुंचा। इससे पूर्व संस्था प्रतिनिधियों ने अतिरिक्त जिला कलक्टर अमानुल्लाह खान को खेल के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए ज्ञापन दिया। हरणा गांव में स्थानीय जनप्रतिनिधि, बच्चे, महिला पुरुषों ने उत्सुकता से इस खेल साक्षरता बाहन

को देखा व इसके बारे में जानकारी ली। इस वाहन में लगी बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर दर्शकों को खेल आधारित डाक्यूमेंटी फिल्म दिखाई। स्पोर्ट्सःए वे ऑफलाइफ के अध्यक्ष डॉ. कनिष्ठ पाण्डेय ने बीडियो कान्नफ़ेसिंग के द्वारा सम्बोधित करते हुए ओलंपिक खेलों के बारे में बताया। उन्हें खेलोन्मुख करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए आश्वस्त किया कि उनके गांव में प्रशासन से खेल मैदान उपलब्ध कराने व उपकरण दिलाने का

प्रयत्न करेंगे। उन्होंने बताया कि यह खेल साक्षरता प्रसार वाहन 15 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं द्वारा गाजियाबाद में 9 जुलाई को भारत यात्रा के लिए रवाना किया गया है। आज पूरा विश्व ओलम्पिक खेलों के जश्न में छब्बा हुआ है, वहाँ 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाईफ' एन.जी.ओ. ओलम्पिक से सम्बन्धित खेलों को भारत के गांव-गांव तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा हुआ है। खेल साक्षरता प्रसार वाहन इस दिशा में एक पहल है।



# Sports : A Way of Life

- T-6, 606-C, Gulmohar Greens Apartment, Mohan Nagar, Ghaziabad (U.P.)
- kanishkasportswayoflife@gmail.com
- sportswayoflife.org
- 0120 - 4567101